

शैत्य पुं. (तत्.) 1. शीतल तापमान वाला, वातावरण, शीतलता 2. ठंड, ठंडक, सर्दी।

शैथिल्य पुं. (तत्.) 1. मांस-पेशियाँ ढीली होने का भाव, हाथ पैर फूलने की अवस्था, दुर्बलता 2. सक्रिय होने की स्थिति का अभाव, सुस्ती।

शैदा वि. (फा.) 1. किसी के प्रेम में उन्मत्त, मुग्ध, मोहित, आसक्त, आशिक 2. उद्विग्न, पागल, उन्मत्त।

शैदाएवतन वि. (फा.+अर) देश प्रेम से अभिभूत, देश भक्ति में उन्मत्त, देश के लिए कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार।

शैन्य पुं. (तत्.) महाभारत कालीन एक योद्धा शिनि के वंशज, सात्यकि।

शैल पुं. (तत्.) 1. पर्वत, पहाड़, चट्टान 2. एक समवार्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः तीन यगण, एक जगण के योग से बारह वर्ण होते हैं, 3. खनिज कणों का संचय भू.वि. वि. शिला संबंधी, पथरीला, कठोर, सख्त।

शैलक पुं. (तत्.) शिलाजीत, शैलेय। शिलाओं के तपने से निकलने वाला काला रस, यह रस औषध के काम आता है जो पुष्टिवर्धक होता है।

शैलकटक पुं. (तत्.) पहाड़ की ढाल।

शैलकन्या स्त्री. (तत्.) 1. पर्वतपुत्री, पार्वती, शैलपुत्री 2. सवैया छंद का एक प्रकार जिसके प्रत्येक चरण में 23 वर्ण होते हैं, एक नगण, 6 जगण तथा लघु-गुरु होते हैं।

शैलकुमारी स्त्री. (तत्.) पर्वतपुत्री, पार्वती, शैलपुत्री, शैलतनया।

शैल-कूट पुं. (तत्.) पर्वत की चोटी, पर्वत-शिखर।

शैलगंगा स्त्री. (तत्.) गोवर्धन पर्वत की एक नदी जिसमें श्रीकृष्ण ने सब तीर्थों का आह्वान किया था।

शैलगंध पुं. (तत्.) शबर चंदन।

शैलगामी वि. (तत्.) चट्टानों पर रहने वाले कीटादि एवं चट्टानों पर विकसित होने वाले पौधे।

शैलगृह पुं. (तत्.) पहाड़ या चट्टान में खोदकर बनाया गया मंदिर, भवन।

शैलघुंडी पुं. (तत्.) पथरीला गुमटा, पथरीला डला।

शैलचर पुं. (तत्.) वे पौधे और कीट जो पहाड़ी क्षेत्रों में उत्पन्न और विकसित होते हैं।

शैलचित्र पुं. (तत्.) पुरा. प्राकृतिक गुफाओं या शिलाओं पर अंकित चित्र।

शैलचित्रण पुं. (तत्.) पुरा. प्राकृतिक गुफाओं या शिलाओं पर चित्र अंकित करने की कला।

शैलज पुं. (तत्.) पत्थर, फूल, वृक्ष आदि, शिलाजीत वि. पत्थर से उत्पन्न।

शैलजन पुं. (तत्.) प्राणि. खनिज कणों का संचय करके शैल बनाने की प्रक्रिया।

शैलजा स्त्री. (तत्.) 1. पार्वती, दुर्गा 2. गजपिप्पली।

शैलजात पुं. (तत्.) दे. शैलज।

शैल तटी स्त्री. (तत्.) पर्वत की तलहटी, तराई।

शैलतनया स्त्री. (तत्.) पर्वतपुत्री, पार्वती।

शैलदुहिता स्त्री. (तत्.) पर्वतपुत्री, पार्वती।

शैलधन्वा पुं. (तत्.) शिव।

शैलधर पुं. (तत्.) गोवर्धन पर्वत को धारण करने वाले, गिरिधर, श्रीकृष्ण।

शैलनंदिनी स्त्री. (तत्.) दे. शैलदुहिता, शैलतनया।

शैलनिर्यास पुं. (तत्.) शिलाजीत।

शैलपति पुं. (तत्.) हिमालय पर्वत।

शैलपत्र पुं. (तत्.) बिल्व वृक्ष, बेल का वृक्ष।

शैलपुत्री स्त्री. (तत्.) दे. शैलदुहिता, शैलतनया।

शैलबीज पुं. (तत्.) भिलावाँ औषधोपयोगी वृक्ष।

शैलभेद पुं. (तत्.) पाषाणभेदन।

शैलमंडप पुं. (तत्.) शैलगृह, पर्वतमंडप।

शैलरंध पुं. (तत्.) गुफा, कंदरा।

शैलराज पुं. (तत्.) पर्वतराज हिमालय।